

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,  
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,  
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 12 मई, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु खनन प्रशासन का अधिष्ठान, आयोजनेत्तर पक्ष के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 91/लेखा/आयोजनागत/2007-08 दिनांक 16.4.2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 में भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई हेतु 03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु अवचनबद्ध मदों में संलग्न विवरणानुसार कुल रुपये 23.00 लाख (रु० तेईस लाख मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बी०एम०-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा और पूर्व के माह को व्यय का विवरण उक्त अधिकारी के द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल की अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा और नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक (मा० मुख्य मंत्री जी/मुख्य सचिव) कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के आधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

3- उक्त धनराशि आपके द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावानुसार अवचनबद्ध मदों में ही स्वीकृत की जा रही है व आपके निर्वर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि कृपया विभाग को उनकी माँग के अनुरूप तत्काल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अवचनबद्ध मदों में धनराशि को व्यय करते समय मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4- व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल/वित्तीय

हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरांत व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाय।

5- अवचनबद्ध मदों में बजट आवंटन की सीमा में ही व्यय को सीमित रखा जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2009 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

6- उपकरण/फर्नीचर आदि का क्रय डी0जी0एस0एण्ड डी0 की दरों पर अथवा टैण्डर/कुटेशन के नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

7- कम्प्यूटर आदि का क्रय एन0आई0सी0/आई0टी0 विभाग की संस्तुति से अथवा उनके दिशा-निर्देशों के अनुसार ही किया जायेगा।

8- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक 2853-अलौह खनन तथा धातु कर्म उद्योग, 02-खानों का विनियमन तथा विकास, आयोजनेत्तर 001-निदेशन तथा प्रशासन लघु शीर्षक 003 के स्थान पर), 03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान-00 के अन्तर्गत संलग्न में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

9- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 205/XXVII(1)/2008 दिनांक: 05 मई, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।  
संलग्नक: यथोक्त।

भवदीया,

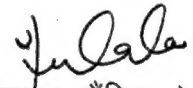
(डा0 हेमलता ढौंडियाल)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1934 (1)/VII-2/50-ख/2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव-मा0 मुख्यमंत्री जी।
3. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून/हल्द्वानी-नैनीताल।
5. उप निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून।
- ✓ 6. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

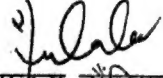
  
(डा0 हेमलता ढौंडियाल)  
अपर सचिव।

शासनादेश संख्या: 1934/VII-2/50-ख/2006 दिनांक 12 अप्रैल 2008 का संलग्नक :

03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान-00-आयोजनेत्तर :

क. सं.	मद	स्वीकृत धनराशि (रु० हजार में)
1	04-यात्रा व्यय	500
2	05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	100
3	11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	200
4	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	100
5	16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	300
6	18-प्रकाशन	300
7	29-अनुरक्षण	200
8	42- अन्य व्यय	100
9	44-प्रशिक्षण पर व्यय	100
10	45- अवकाश यात्रा व्यय	100
11	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	300
	कुल योग	2300

(रुपये तेईस लाख मात्र)

  
(डा० हेमलता ढांडियाल)  
अपर सचिव।